भारत में भूमि उपयोग

भारत में भूमि उपयोग

भूमि उपयोग

- जिस प्रकार भूमि का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों (आवासीय, वाणिज्यिक और कृषि) के लिये किया जाता है।
- भूमि उपयोग पर डेटा को वार्षिक आधार पर नौ श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

भूमि-उपयोग रिकॉर्ड

- **बनाए रखा जाता है:**
  - भू-राजस्व विभाग द्वारा
- **मापा जाता है:**
  - भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा
- **संग्रह:**
  - कुल भौगोलिक क्षेत्रफल-329 मिलियन हेक्टेयर (रिपोर्टिंग क्षेत्र)
  - **उपलब्ध आँकड़े - 305 मिलियन हेक्टेयर (गैर-रिपोर्टिंग क्षेत्र)**

कुल क्षेत्रफल का *7%* भूमि उपयोग की *9* श्रेणियों के वर्गीकरण के अंतर्गत शामिल या वर्गीकृत नहीं है।

9 स्तरीय वर्गीकरण:

- **वन:** वन-संबंधित कानूनों के अनुसार सभी प्रकार की वन युक्त भूमि, चाहे राज्य के स्वामित्व वाली या निजी हो अथवा वृक्षयुक्त या संभावित वन भूमि।
- **गैर-कृषि उपयोग:** इमारतों, सड़कों, रेलवे या जल स्रोत वाली भूमि।
- **बंजर और अनुपयुक्त भूमि:** इसमें पहाड़, रेगिस्तान आदि शामिल हैं।
- **स्थायी चरागाह और चरागाह भूमि:** सभी चरागाह भूमि, चाहे चारागाह हों या नहीं।
- **कृषि योग्य बंजर भूमि:** भूमि कृषि के लिये उपलब्ध है लेकिन +5 वर्षों से उपयोग नहीं की गई है।
- **परती भूमि (वर्तमान को छोड़कर):** 1-5 वर्षों तक अस्थायी रूप से अप्रयुक्त।
- **वर्तमान परती भूमि:** फसली क्षेत्र चालू वर्ष में परती रखी गई भूमि।
- **विविध. (पेड़, फसलें आदि):** खेती योग्य भूमि 'बुवाई के शुद्ध क्षेत्र' में नहीं है, लेकिन कृषि के लिये उपयोग की जाती है।
- **बोया गया शुद्ध क्षेत्र:** फसलों और बगीचों सहित कुल क्षेत्रफल।

मुख्य पद

- **भौगोलिक क्षेत्र:** राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के भौगोलिक क्षेत्र के आँकडों को भारतीय महासर्वेक्षक के कार्यालय द्वारा प्रदान किया जाता है।
- **रिपोर्टिंग क्षेत्र:** ऐसा क्षेत्र जिसके लिये भूमि उपयोग वर्गीकरण पर आंकड़े उपलब्ध हैं।
- **सकल फसल क्षेत्र:** एक वर्ष में एक या अधिक बार बोया गया कुल क्षेत्र।
- **एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र:** एक वर्ष में कई फसलों की बुवाई वाली भूमि।
- **सिंचित क्षेत्र:** नहरों, तालाबों, कुओं आदि द्वारा सिंचित भूमि।
- **कुल/सकल सिंचित क्षेत्र:** लगभग सभी प्रकार की भूमि एक या अधिक बार सिंचित होती है।
- **कुल/सकल असिंचित क्षेत्र:** सिंचाई रहित क्षेत्र।
- **फसलीय तीव्रता:** कुल फसलीकृत क्षेत्र से निवल बुआई क्षेत्र का अनुपात है।
- **कृषि भूमि:** इसमें शुद्ध बोया गया क्षेत्र, परती भूमि, बंजर भूमि और बहुत कुछ शामिल है।
- **कुल गैर-कृषि योग्य क्षेत्र:** कुल जानकारी प्राप्त क्षेत्र से कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल घटाकर प्राप्त किया जाता है।
- **कुल कृषि योग्य क्षेत्र:** शुद्ध बोया गया क्षेत्र और वर्तमान परती भूमि।
- **कुल गैर-कृषि क्षेत्र:** कुल जानकारी प्राप्त क्षेत्र से कुल कृषिकृत क्षेत्रफल को घटाकर प्राप्त किया जाता है।

भारत में 2005-06 से 2020-21 तक भूमि उपयोग पैटर्न

Land-use Pattern in India from 2005-06 to 2020-21

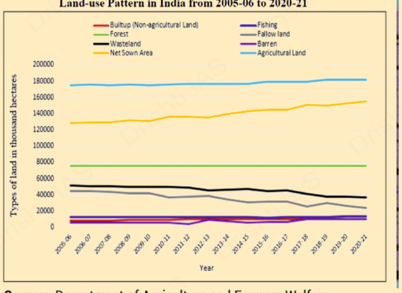

Source: Department of Agriculture and Farmers Welfare, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare

भूमि उपयोग परिवर्तन के कारण

- बढ़ती जनसंख्या एवं विकासात्मक गतिविधियाँ
- कृषि विस्तार
- जलवायु परिवर्तन
- खनन
- भूमि अवक्रमण

दृष्टि The Vision
Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/land-use-in-india-1